भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
11.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2682 का उत्तर

उत्तर प्रदेश के सूदूर ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने के लिए नई रेल लाइन का निर्माण

2682. श्री अरुण कुमार सागर:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर, फर्रूखाबाद, लखीमपुर-खीरी, बदायूँ और पीलीभीत जिलों को रेल नेटवर्क से सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने के लिए फर्रुखाबाद-अल्हागंज जलालाबाद-शाहजहाँपुर-पोवाया-खुटार-मैलानी-पीलीभीत तक एक नई रेलवे लाइन बनाने के लिए कदम उठाए हैं/उठाने का विचार किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस संबंध में अब तक हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन राज्य-वार/जिला-वार नहीं बल्कि क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है क्योंकि भारतीय रेल की परियोजनाएं राज्य सीमाओं/जिला सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं।

रेल परियोजनाओं को लाभप्रदता, यातायात अनुमानों, अंतिम छोर संपर्कता, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों के संवर्धन, राज्य सरकारों, केन्द्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जन प्रतिनिधियों द्वारा ऊठाई गई मांगों रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकता, सामाजिक-आर्थिक महत्वों आदि के आधार पर शुरू किया जाता है, जो चालू परियोजनाओं के थ्रो-फॉरवर्ड और निधियों की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

अल्लाहगंज, जलालाबाद, शाहजहांपुर, पवायन, खुटार के रास्ते फर्रुखाबाद-मैलानी (158 कि.मी.) नई लाइन के निर्माण के लिए सर्वेक्षण 2018-19 में 4168 करोड़ रुपए की अनुमानित परियोजना लागत के साथ पूरा किया गया था। बहरहाल, कम यातायात अनुमानों के कारण इसे आगे नहीं बढ़ाया जा सका।

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्ण/आंशिक रूप से पड़ने वाली रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे, पूर्व रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे और पश्चिम मध्य रेलवे जोनों के अंतर्गत शामिल हैं। रेल परियोजनाओं की लागत, व्यय और परिव्यय सहित क्षेत्रीय रेल-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्ण/आंशिक रूप से पड़ने वाली 92,001 करोड़ रुपए की लागत वाली 5,874 किलोमीटर कुल लंबाई की 68 रेल परियोजनाएं (16 नई लाइनें, 3 आमान परिवर्तन और 49 दोहरीकरण) योजना और कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से 1,313 किलोमीटर लंबाई कमीशन की जा चुकी है और मार्च, 2024 तक 28,366 करोड़ रुपये का व्यय किया जा चुका है। कार्य की स्थिति संक्षेप में निम्नानुसार है: -

योजना शीर्ष	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2024 तक व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	16	1740	297	8672
आमान परिवर्तन	3	261	0	26
दोहरीकरण/ मल्टीट्रैकिंग	49	3873	1016	19668
कुल	68	5874	1313	28366

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्ण/आंशिक रूप से पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,109 करोड़ रु. प्रतिवर्ष
2024-25	19,848 करोड़ रु. (17 गुना से अधिक)

वर्ष 2009-14 और 2014-24 के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णत:/अंशत: रूप से आने वाली नई पटरियों को कमीशन करने/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए नए रेलपथ	औसत रेलपथ कमीशनिंग
2009-14	996 किलोमीटर	199.2 किलोमीटर प्रतिवर्ष
2014-24	4,902 किलोमीटर	490.2 किलोमीटर प्रतिवर्ष (2 गुणा से अधिक)

*****